Regarding need to construct railway line in Saharsa junction

श्री दिनेश चन्द्र यादव (मधेपुरा) : सभापति महोदय, पूर्व मध्य रेलवे के हाजीपुर अंतर्गत सहरसा एक महत्वपूर्ण जंक्शन है। यहां से भारी संख्या में रेलयात्री देश के भिन्न-भिन्न कोने में यात्रा करते हैं। यहां रेलयात्री किराया एवं माल ढुलाई से प्रतिमाह 6-7 करोड़ रुपये की आय होती है, लेकिन इस क्षेत्र के रेलयात्रियों को उस तरह की सुविधा नहीं दी जा रही है, जिसके वे हकदार हैं। यहां से पटना तक रात्रिकालीन गाड़ी की सुविधा भी नहीं है।

?अमृत भारत स्टेशन योजना? के तहत सहरसा जंक्शन का चयन किया गया है, लेकिन कोई काम नहीं हो रहा है। वहां पटना-कोटा एक्सप्रेस तथा पटना-बेंगलुरु एक्सप्रेस के विस्तार की आवश्यकता है। पटना से सहरसा तथा जनहित एक्सप्रेस का विस्तार सहरसा से बनारस जंक्शन तक किया जाए। शहर की घनी आबादी गंगजला में अवस्थित रैक प्वाइंट को परमिनियां हॉल्ट तक स्थानांतरित किया जाए। पूर्व से बने सहरसा-सर्वाढ़ाला से झपड़ा टोला तक 0.75 किलोमीटर बाईपास लाइन को पुनर्जीवित किया जाए।

सहरसा जंक्शन पर तीन स्टे लाइन का निर्माण कराया जाए एवं निर्माणाधीन अतिरिक्त वाशिंग पिट का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए। सहरसा-पटना के बीच में रात्रि में गाड़ी चलाई जाए। लहेरिया से सहरसा तक 100 किलोमीटर रेल लाइन का डीटेल डीपीआर तैयार हो गया है। वह रेलवे बोर्ड भेज दिया गया है।

मैं माननीय रेल मंत्री जी से यह मांग करता हूं कि सहरसा की समस्या के समाधान के लिए इस रेल लाइन के निर्माण की भी स्वीकृति दी जाए, ताकि वहां के लोगों को सुविधा मिल सके।